Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 3 May 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

# TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 48

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

**News of the Week**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कोरोना वायरस महामारी के बीच छात्रों की समस्याओं को सुनने और हल कराने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है और इस टास्क फोर्स से विभिन्न माध्यमों से सम्पर्क करने के लिए हेल्पलाइन भी जारी की है।

**Inside Ghaziabad**

पेज नंबर 2
दिल्ली–मेरठ के बीच दौड़ेगी छह कोच की रैपिड रेल

पेज नंबर 7
With 1 more case, JJ Colony is Noida's 2nd ...

TIRUPATIEYE

### हेल्प लाइन नंबर

विदेश से यात्र कर लौटने वाले व्यक्ति की सूचना दें
0120–4186453

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें
0120–2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम
0120–2783098

### ऑनलाइन ही लिए जाएंगे ओटीएस के आवेदन

गाजियाबाद : जीडीए में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत आवेदन के लिए एक महीना शेष रह गया है। आवेदन स्वीकार होने पर बकाया राशि पर दंड ब्याज माफ होगा। अब तक 129 बकाएदारों ने ही आवेदन किया है। जीडीए सचिव संतोष कुमार राय ने बुधवार को निर्देश जारी कर कहा कि बकाएदार आवास बंधु की वेबसाइट पर ओटीएस का ऑनलाइन ही करें। ऑफलाइन आवेदन सुविधा अब उपलब्ध नहीं है। जीडीए के अनुसार 8294 बकाएदारों पर 465 करोड़ 79 लाख 2935 रुपये बकाया हैं। इनमें 80 फीसद छोटे बकाएदार हैं। जिन पर एक लाख से दस लाख रुपये तक बकाया है। ज्यादातर बकाया बड़े बकाएदारों पर है। जीडीए सचिव ने बताया कि मार्च से शुरू ओटीएस में अब तक 129 बकाएदारों ने आवेदन किया है। इनमें बड़े बकाएदार महज पांच हैं।

# लॉकडाउन–3 : जिले में चार हजार औद्योगिक इकाईयों का पहिया घूमा

## ऑनलाइन अनुमति के आदेश निरस्त, शपथ पत्र देकर ही संचालित हो सकेगी फैक्ट्रियां

गाजियाबाद : सरकार ने लॉकडाउन–3 के दौरान पोर्टल पर ऑनलाइन अनुमति के आदेश को निरस्त कर शपथ पत्र दाखिल कर उद्योग संचालित करने का शासनादेश जारी किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन के अलावा आवश्यक वस्तु एवं दवाईयों की करीब चार हजार इकाईयां चल पड़ी हैं, जबकि अभी करीब साढ़े पांच हजार इकाईयां और चल सकती हैं। इकाईयां औद्योगिक क्षेत्र में हों और शहरी क्षेत्र व कंटेनमेंट जोन में न हों और कोविड–19 के दिशा–निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। सरकार ने 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही कोविड–19 के तहत दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए पोर्टल पर ऑनलाइन प्रपत्रों को अपलोड कर अनुमति देने के आदेश जारी किए। औद्योगिक संगठनों ने उद्योग चलाने की शर्तों को लेकर आपत्तियां दर्ज की। इस बीच दो दिन में जिला उद्योग केंद्र के पोर्टल पर कुल 1413 उद्योगों के लिए अनुमति मांगी, जिनमें 587 को मंजूरी दी गई। मंगलवार देर रात उद्योग चलाने के लिए सरकार ने सिर्फ शपथ पत्र के आधार पर मंजूरी देने का शासनादेश जारी किया। इसमें मेल व हेल्प डेस्क पर करीब 300 उद्योगों के लिए जिला उद्योग केंद्र में जमा कराए। ऑनलाइन व ऑफलाइन के अलावा आवश्यक वस्तु एवं दवाईयों व पैकेजिंग की करीब 3990 इकाईयां संचालित होने लगी हैं, जिसमें एक लाख 38 हजार 433 श्रमिक कार्यरत हैं। अभी सात इकाईयों के कर्मचारियों को पास की समस्या आ रही है। इनमें हैवी, मीडियम, स्मॉल व माइक्रो इंडस्ट्री शामिल हैं। शर्त है कि यह इकाईयां औद्योगिक क्षेत्रों में या शहरी क्षेत्र के बाहर स्थित हों। शहर के भीतर या कंटेनमेंट जोन की इकाईयों को संचालित करना प्रतिबंधित किया है।

### शपथ पत्र में यह देना जरूरी

हाल ही में उद्योग चलाने के लिए आए शासनादेश में सिर्फ शपथ पत्र देकर उद्योग चलाने की अनुमति होगी। शपथ पत्र डीएम के नाम होगा और जिला उद्योग केंद्र में जमा कराया जाएगा, जिसमें इकाई का नाम, कहां–कहां रजिस्ट्रेशन कराया है, कर्मचारी कितने हैं और उनके नामों की सूची एवं कोविड–19 के सभी दिशा निर्देशों का पालन के साथ ही कंटेनमेंट जोन में न हो।

## लॉकडाउन में बनाए गए 33 हजार राशन कार्ड, बीस हजार लाइन में

गाजियाबाद : लॉकडाउन में केंद्र एवं राज्य सरकार ने हर गरीब के घर समय पर राशन पहुंचाने के यूं तो खूब इंतजाम किए हैं लेकिन कोटेदार सरकारों की मंशा के विपरीत काम कर रहे हैं। एक अप्रैल से लेकर पांच मई तक जिले में 33059 महिलाओं के नए राशन कार्ड बनाए गए हैं। जिले में अब कार्ड धारकों की संख्या 395780 हो गई है। अभी भी बीस हजार जरूरतमंद राशन कार्ड बनवाने के लिए स्थानीय पार्षद एवं ग्राम प्रधानों के पास पहुंच रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता भी लोगों के फार्म भरवा रहे हैं। खास बात यह है कि आधार कार्ड और बैंक पासबुक अनिवार्य किए जाने की वजह से यहां रहे है अनेक लोगों के राशन कार्ड नहीं बन पा रहे है। चौंकाने वाली बात यह है कि चालीस दिन में खाद्यान्न् वितरण में गड़बड़ी मिलने पर पचास कोटेदारों पर अलग–अलग प्रकार की कार्यवाही भी की गई है। तीन राशन डीलरों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। राशन कम देने के आरोप में 24 कोटेदारों पर भारी जुर्माना लगाया गया है। आदेशों को ताक पर रखकर राशनकार्ड धारकों को खाद्यान्न न देने एवं दुकान समय पर न खोलने के आरोप में एक दर्जन कोटेदारों का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के आधार पर 35 कोटेदारों के खिलाफ जांच की जा रही है। कोटेदारों से मिलीभगत करने के आरोप में एक आपूर्ति निरीक्षक एवं पूर्ति लिपिक का स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिले में कुल 3 लाख 62 हजार राशनकार्ड धारक महिलाएं हैं थी, यह संख्या अब 395780 हो गई है।

## Section 144 extended till end of month in GZB

**Ghaziabad:** Ahead of the festival of Eid, the district administration on Tuesday extended the imposition of Section 144 of CrPC till May 31 in the district. However, district magistrate Ajay Shankar Pandey clarified restrictions on movement and opening of establishments will remain applicable only till the lockdown is in place. The extended lockdown ends on May 17."The order has been issued keeping in mind the guidelines issued by the ministry of home affairs. It can be revoked or modified at any time," the DM told TBC. He further stated that this is an extension of the order passed on March 17. The current order states that spitting in public will attract a fine as well as legal action while wearing a mask in public places is mandatory.The order also bans opening of salons, spas, multiplexes, malls, gyms, sports complexes, swimming pools and auditoriums, among others, besides schools and colleges. Apart from the restriction on the assembly of five or more people, people have been asked not to hold any political, cultural, religious and sports-related events, rallies or procession till May 31. Moreover, all religious places will remain closed during this period.

# दिल्ली–मेरठ के बीच दौड़ेगी छह कोच की रैपिड रेल

गाजियाबाद : दिल्ली–मेरठ के बीच छह कोच की रैपिड रेल दौड़ेगी। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने रैपिड रेल बनाने की जिम्मेदारी बॉम्बार्डियर ट्रांसपोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दे दी है। यह कंपनी इस कॉरिडोर के लिए 30 रेल बनाएगी। वर्ष 2022 में ट्रेनों की डिलीवरी शुरू हो जाएगी। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि 100 फीसद मेक इन इंडिया पहल के तहत रैपिड रेल का उत्पादन गुजरात के सावली गांव स्थित कंपनी के प्लांट में किया जाएगा। यह भी बताया कि 83 फीसद पार्ट्स का देश में बने जाए जाएंगे। रैपिड रेल हवाई जहाज की तरफ एरो डायनामिक आकार में बनेगी। पूरी तरह एसी होगी। एकॉनोमी क्लास के कोच में दोनों तरफ दो–दो सीटें लगाई जाएंगी। आरामदायक यात्रा के लिए हर ट्रेन में एक बिजनेस क्लास कोच होगा। महिलाओं के लिए एक कोच आरक्षित किया जाएगा। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि कोच के दरवाजे दोनों ओर से खुलेंगे। सामान रखने के लिए ट्रेन के अंदर पर्याप्त स्थान रहेगा। सुरक्षा के लिए अंदर सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। अन्य सुविधाएं भी इसमें रहेंगी।

### 180 किलोमीटर प्रति घंटा पर डिजाइन होगी ट्रेन

अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन स्वचालित होगी। बारिश और आंधी ट्रेन का परिचालन बाधित नहीं कर पाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन को 180 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार के हिसाब से डिजाइन कराया जाएगा। लेकिन पटरी पर ट्रेन को अधिकतम 160 केएमपीएच और न्यूनतम 100 केएमपीएच पर दौड़ाया जाएगा।

### मेरठ मेट्रो के लिए दस ट्रेन बनवाई जाएंगी

मेरठ में रैपिड रेल कॉरिडोर पर ही मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी से 10 मेट्रो ट्रेन बनवाई जाएंगी। प्रत्येक ट्रेन में तीन कोच होंगे। इनमे भी दोनों तरफ दो–दो लोगों के बैठने के लिए सीटें होंगी।

# निगरानी समितियां करेंगी गांवों में ग्रामीणों को कोरोना के प्रति जागरुक

गाजियाबाद : गांवों में ग्रामीणों को कोरोना के प्रति जागरुक करने के लिए प्रशासन ने पहल की है। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया गया है। यह समितियां गांवों में लोगों को कोरोना वायरस से बचाव के प्रति जागरुक करेंगी। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने जिले की 161 ग्राम पंचायतों में निगरानी समितियों का गठन कर दिया है। इन समितियों में ग्राम प्रधान, गांव के सम्मानित व्यक्तियों व स्वच्छाग्रहियों को शामिल किया गया है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि जिले में कोरोना वायरस से बचाव के लिए प्रशासन लगातार योजना बनाकर काम कर रहा है। इस कड़ी में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इस महामारी से सुरक्षित रखने के लिए कोरोना निगरानी समितियों का गठन किया गया है। प्रत्येक ग्राम में निगरानी समिति में 03 सदस्यों (ग्राम प्रधान, सम्मानित नागरिक व स्वच्छाग्रही) को रखा गया है। उन्होंने बताया कि निगरानी समितियों का दायित्व है कि वह गांव के लोगों को कोविड–19 के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ ही उन्हें शारीरिक दूरी का नियम, साफ–सफाई के प्रॉटोकॉल, भ्रमण के दौरान मुंह पर मास्क, दुपट्टा, गमछे के प्रयोग समेत अन्य सुरक्षा के उपायों से अवगत कराएंगे।

# 17 विदेशियों समेत 22 लोगों को भेजा गया अस्थाई जेल

गाजियाबाद : एमएमजी अस्पताल में महिला नर्सों के साथ बदसलूकी करने वाले पांच जमातियों व 17 विदेशी नागिरकों को अस्थाई जेल भेज दिया है। इनमे 10 इंडोनेशिया और सात नेपाल के नागिरक हैं। जिला प्रशासन ने डासना स्थित अध्यात्मिक नगर इंटर कॉलेज को अस्थाई जेल बनाया है। रोपितों की सभी रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि दो मार्च को एमएमजी अस्पताल में मसूरी से निवासी 10 जमातियों को रखा गया था। अस्पताल की नर्सों ने पांच जमातियों पर आरोप लगाया था कि वह पायजामा उतारकर वार्ड में घूम रहे थे। विरोध करने पर बदसलूकी कर रहे थे। जिसके बाद आरोपितों के खिलाफ सीएमएस की शिकायत पर नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद सभी जमातियों को दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर दिया था। सभी जमातियों का क्वारंटाइन का समय बुधवार को पूरा हुआ। जिसके बाद उन पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। गिरफ्तार किए गए जमातियों में एक आकेजीआईटी और एक आइडियल में था। वहीं, पुलिस ने सात नेपाली और दस इंडोनिशयाई नागरिकों को पकड़ा था। ये लोग छुपकर रह रहे है। इनके वीजा में भी गड़बड़ी थी।

# कोरोना संक्रमित युवक की मौत के बाद खोड़ा में बरती जा रही लापरवाही

साहिबाबाद : खोड़ा के कोरोना संक्रमित एक युवक की नोएडा में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद भी खोड़ा में लापरवाही बरती जा रही है। कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे से बेखौफ लोग लॉकडाउन का खूब उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे में संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। खोड़ा के सरस्वती विहार निवासी अतुल दीक्षित का कहना है कि जिस तेजी से संक्रमण फैल रहा है और लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इससे स्थिति भयावह हो सकती है। कॉलोनी में लोग जगह जगह इकत्रा रहते हैं। पुलिस के आने पर भाग लेते हैं। ऐसे लोग लॉकडाउन का पालने करने वालों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं।

# राज्यमंत्री सहित सभी विधायकों से तिमाही फीस माफ कराने की मांग

गाजियाबाद : जब से लॉकडाउन हुआ है अभिभावकों के संघ लगातार तिमाही फीस माफी कराने के लिए मंत्रियों और विधायकों से मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएसन ने राज्यमंत्री और सभी विधायकों को फीस माफी के लिए केंद्र और राज्यसरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही सभी से इस संबंध में शासन से बात करनी की अपील की। अभिभावक संघ की अध्यक्ष सीमा त्यागी ने बताया कि लॉकडाउन में अभिभावकों के सभी काम धंधे बंद हो गए हैं। ऐसे में निजी विद्यालयों में फीस की मोटी रकम का भुगतान करना अभिभावकों के लिए असंभव सा हो गया है।

# दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे का काम चालीस दिन बाद शुरू

गाजियाबाद : लॉकडाउन के बीच चालीस दिन बाद दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे का काम शुरू हो गया है। प्रोजेक्ट के दो चरणों का निमार्ण कार्य जल्दी पूरी करने को लेकर पांच सौ मजदूर लगा दिए गए है। यूपी गेट से डासना के बीच पांच स्थानों पर दो सौ मजदूरों के साथ ही मशीनरी से काम शुरू कर दिया गया है। प्रोजेक्ट की निगरानी करने वाले एक्सपर्ट एवं इंजीनियर कुछ अलग राज्यों में फंसे हुए हैं। इनकों लाने की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में दो रेलवे ओवर ब्रिज बनाने के लिए रेलवे से अनुमति मांगी गई है। संभवत एक आरओबी का काम अगले दो–तीन दिन में शुरू कर दिया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा

बनाए जा रहे दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे के दूसरे चरण का काम मार्च में ही 70 फीसदी पूरा हो गया था लेकिन लॉकडाउन के चलते काम ब्रेक हो गया था। दूसरे चरण में 14 लेन चौडे एवं 19.38 किलोमीटर लंबे हिस्से में आठ लेन हाइवे और 6 लेन एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जा रहा है। इसकी लागत 1989 करोड़ रुपये है। 6 नवंबर 2017 को काम शुरु हुआ और 4 मई 2020 को पूरा किए जाने का लक्ष्य है था लेकिन अब तीन महीने और कार्य पूरा होने में लग सकते है। फेस दो के कार्य के दौरान नगर निगम की पांच किलोमीटर लंबी सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसका यूपी जल निगम द्वारा पचास लाख का एस्टीमेट बनाया गया। लॉकडाउन में ही प्रशासन से अनुमति लेकर काम कराया जा रहा है। अगले तीन दिन में काम पूरा होने की संभावना है। सीवर लाइन खराब होने से निर्माण कार्य में बाधा आ रही थी। करीब तेरह किलोमीटर लंबी गंगाजल पाइप लाइन के शिफ्टिंग का काम अंतिम चरण में है। दस किमी पाइप लाइन शिफ्ट हो गई है। तीन किलोमीटर का काम शेष है। यू पी जल निगम के सहयोग से इसका कार्य भी तेजी से शुरू करा दिया गया है।

# कोरोना वायरस से बचना है तो बिना हाथ धोए न छुए चेहरे को : डॉ.संदीप नय्यर

– बीएलके हॉस्पिटल, आरएचएएम, भार्गव सभा, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद ग्रीन द्वारा किया गया वेबिनार का आयोजन

–वेबिनार में कोरोना वायरस व उससे बचाव के बारे में किया गया जागरूक

गाजियाबाद : कोरोना वायरस से बचने के लिए अब तक कोई कारगर दवा का निर्माण नहीं हो सका है, ऐसे में इससे बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है। यदि कोरोना वायरस से बचना है तो अपने चेहरे को बार–बार न छूए, यदि छूना पड़े तो हाथ धोकर ही चेहरे को छुए। चेहरे पर मास्क लगाकर रखो। क्योंकि कोविड–19 वायरस मुंह व नाक के जरिये ही हमारे शरीर में प्रवेश करता है। यदि हम बाहार से कुछ भी चीज लेकर घर या आफिस आते है या अखबार पढ़ते है या अन्य कोई कार्य करते है तो उसके बाद हाथों को जरूर साफ करें। यदि हम गंदे हाथों से चेहरे को छूते है तो हमें कोरोना संक्रमित होने का ज्यादा खतरा है। लोगों से दूरी बनाकर रखें, मेला या शॉपिंग मॉल में न जाए, बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को घर से बाहर न जाने दें। यदि आपको कुछ लक्षण दिखाई दें तो जांच जरूर कराए। ताकि हम दूसरों को भी संक्रमित होने से बचा सके। ये बातें शनिवार को आरएचएएम (रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन), भार्गव सभा, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद ग्रीन व बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में बीएलके हॉस्पिटल के सीनियर डायरेक्टर डॉ. संदीप नय्यर ने कही। उन्होंने लॉकडाउन को अच्छा कदम बताया और कहा कि यदि लॉकडाउन नहीं होता तो भारत में भी अमेरिका जैसे बदतर हालात होते। उन्होंने सभी से अपील की कि वे सेनिटाइजर लगाकर आग के पास न जाए, क्योंकि इसमें एलकोहल होता है जिससे आग लगने के ज्यादा चांस होते है। उन्होंने बताया कि कोविड–19 वायरस खांसने के बाद हवा में तीन घंटे तक जीवित रह सकता है। जबकि सार्स कोविड–19 वायरस गत्ते पर 24 घंटे, प्लास्टिक और स्टील पर 48 से 72 घंटे, तांबे पर 3 घंटे तक जिंदा रह सकता है। इसलिए मास्क का प्रयोग जरूर करें और चेहरे को छूने से बचे।

बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल पूसा रोड़ नई दिल्ली के सीनियर डायरेक्टर डा. संदीप नय्यर ने बताया कि कोरोना वायरस तीन तरह के है इसमें एमईआरएस कोरोना वायरस, एमएआरएस कोरोना वायरस–2 तथा नोवल कोरोना वायरस। मिडिल ईस्ट श्वसन सिंड्रोम (एमईआरएस) कोरोनावायरस की वजह से होने वाला वायरस श्वसन रोग है। कोरोनावायरस के तीन मुख्य उपसमूह अल्फा, बीटा और गामा हैं। मिडिल ईस्ट श्वसन लक्षण कोरोना वायरस (एमईआरएस– कोरोना वायरस) बीटा कोरोनावायरस है। इससे संक्रमित व्यक्ति गंभीर श्वसन बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं, जिनमें बुखार, खांसी, सांस की तकलीफ और सांस लेने में कठिनाई शामिल है। एमईआरएस के मरीज को निमोनिया और गुर्दा खत्म होने जैसी गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं। यह एक दूसरे के संपर्क में आने से फैलता है। वहीं, कोविड–19 का पूरा नाम कोरोनावायरस डिसीस है। यह बीमारी वर्ष 2019 में फैली थी इसलिए इसे कोरोना वायरस डिसीस 2019 नाम दिया गया। इसे संक्षेप में कोविड–19 नाम दिया गया। कोविड–19 उस महामारी का नाम है जो एसएआरएस–कोरोना वायरस–2 से होती है। वहीं नोवल कोरोना वायरस का मतलब है कि यह नया वायरस है। पहले यह इंसान में नहीं पाया गया है। इसका मतलब है कि यह उन कोरोना वायरसों से अलग है जिसकी वजह से आम सर्दी जुकाम की समस्या होती है और यह 2002 के सार्स एवं 2012 के मर्स वायरस से भी अलग है। सार्स और मर्स की तरह ही नोवल कोरोना वायरस भी जूनोटिक बीमारी है। जूनोटिक बीमारी वैसी बीमारी होती है जो जानवर में होती है और जानवर से इंसान में फैलती है।

डा. नय्यर ने बताया कि डायबिटीज, कैंसर, पैरालिसिस आदि रोगी को अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। यह कोरोना वायरस कैसे फैला इस बारे में अभी तक किसी को नहीं पता है। इसलिए जहां तक हो एन–95, घर के बने या ट्रिपल लेयर सर्जिकल मास्क पहने। लोगों से शारीरिक दूरी बनाकर रखें। यदि किसी को कोरोना हो जाता है तो वह कहां–कहां गया, किस–किस से मिला सभी जांच के दायरे में आ जाते है। ऐसे में कोरनटाइन रहे, लोगों से मिलना जुलना बंद कर दें। यदि लक्षण नहीं है तो ठीक, नही तो जांच करानी पड़ेगी। इस दौरान कई रोटेरियन ने भी डाक्टर से सवाल–जवाब किए।

रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के चेयरमैन डॉ.धीरज भार्गव ने डॉ.संदीप नय्यर से पूछा कि प्राइवेट आफिस में 33 प्रतिशत स्टॉफ रखने पर हमें क्या–क्या सावधानियां बरती चाहिए। इस पर डॉ. नय्यर ने बताया कि कर्मचारी को सेनिटाइज करें, यदि ऑफिस में पंचिंग लगाई जाती है तो उसे मेनुअल करें, लिफ्ट का प्रयोग होता है तो वहां सैनिटाइजर जरूर रखे। जिससे बटन दबाने पर दूसरे तक रोग न पहुंचे। स्टॉफ को मास्क जरूर लगवाएं। क्योंकि यदि कोई कर्मचारी खांसता है तो उसके मुंह से निकले 1 से 15 माइक्रोमीटर साइज के ड्रापलेट हवा में कई घंटों तक जिंदा रहते है।

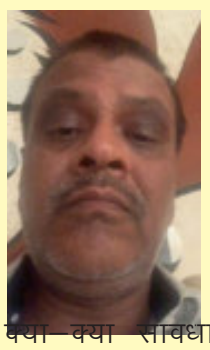

रोटेरियन अशोक अग्रवाल ने डाक्टर से पूछा कि यदि किसी में कोरोना के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे फिर भी वह कोरोना पॉजिटिव निकल रहा है ऐसा क्यों। इस बारे में डाक्टर ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आया है तो उसे कोरोना होने में 14 दिन तक लग सकते है। इसलिए उसमें लक्षण न दिखाई देने के बावजूद उसमें कोरोना हो सकता है। इसके लिए कोरोना की चेन को तोड़े, अपनी सुरक्षा करें, फेस को टच न करें, मास्क पहनें। ऐसा करके ही हम कोरोना वायरस से बच सकते है।

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली सफायर के अरूण गुप्ता ने डाक्टर से पूछा कि क्या प्लाजा थैरेपी से इलाज संभव है। इस पर डाक्टर नय्यर ने बताया कि प्लाजमा थैरेपी दिल्ली में कुछ मरीजों पर इस्तेमाल की गई है। लेकिन यह कितनी कारगर है इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यदि प्लाजमा थैरेपी करते है तो उससे मरीज के शरीर के अन्य हिस्से पर कोई प्रभाव तो नहीं पड़ा यह भी देखना पड़ता है जैसे यदि कोई वैक्सीन तैयार की जाती है तो दो–तीन महीने उसकी टेस्टिंग चलती है कि इसके लगने से मरीज के शरीर के लीवर, किडनी या अन्य हिस्से को तो नुकसान नहीं हुआ। यदि वह शरीर के किसी भी हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचाती तभी वह प्रयोग में लाई जाती है।

वहीं रोटेरियन श्रीकांत शर्मा ने पूछा कि क्या अखबार सुरक्षित है। इस बारे में डाक्टर ने बताया कि अखबार सुरक्षित है लेकिन हमें भी जागरूक होने की जरूर है जब भी अखबार पढ़े तो चेहरे को न छुए और अखबार पढ़ने के बाद हाथ जरूर धोएं। उन्होंने बताया कि कोविड–19 वायरस खांसने के बाद हवा में तीन घंटे तक जीवित रह सकता है। जबकि सार्स कोविड–19 वायरस गत्ते पर 24 घंटे, प्लास्टिक और स्टील पर 48 से 72 घंटे, तांबे पर 3 घंटे तक जिंदा रह सकता है। डाक्टर ने श्रीकांत शर्मा को कहा कि वैसे तो कोरोना के कारण हमारी कई आदतों में सुधार हुआ है। लोग साफ–सफाई के प्रति जागरूक हो गए है। टीबी जैसी कई बीमारियां भी कम हो गई है।

इस दौरान सुशील चंदक, पुनीत, रोटरी क्लब सोनीपत वीरेंद्र पाल सहगल, संजय कुमार, गाजियाबाद हैरिटेज से रवींद्र सिंह, राकेश कुमार आदि ने भी डाक्टर से सवाल–जवाब किए।

वेबिनार में शहजाद मिर्जा, अमित मिधा, आनंद, अरूण गुप्ता, आशी मित्तल, अवलोक, डा.धीरज कुमार भार्गव, केएल डोरा, किरण मक्कड, एमएल बंसल, एमएन हेमराजानी, निशा, प्रकाश सेठ, राहुल भार्गव, राकेश कुमार, रो.रवींद्र सिंह, सचिन शर्मा, संदीप, संदीप मिगलानी, शैली, श्रेष्ठ नैययर, उमेश साहनी, विजयपाल सिंह, वीरेंद्र पाल सिंघल, मंजू कात्याल आदि शामिल रहे।

## EDITORIAL

# Dangerous drift: on encounter with terrorists near Handwara

**The** deaths last Saturday of four soldiers and a police officer in an encounter with terrorists near Handwara town in Jammu and Kashmir's Kupwara district, call attention to, among other things, a difficult summer ahead. It is unusual and disproportionate for just a couple of terrorists to take down five highly skilled and motivated soldiers — a Commanding Officer of a battalion in the rank of a colonel, a major, two other ranks and a special operations group policeman in the rank of a sub inspector — in a firefight. The details on offer are sketchy, yet provide compelling evidence of an operation that went horribly wrong. On Saturday afternoon, receiving intelligence that terrorists were present in a house in Changimulla village, Colonel Ashutosh Sharma of 21 Rashtriya Rifles, Major Anuj Sood, Naik Rajesh Kumar, Lance Naik Dinesh Singh and J&K Police Sub Inspector Shakeel Qazi, and possibly others reached the site which had a building and a cowshed adjoining it, and an intense firefight commenced. All the enemy fire came from the cowshed, not the building. Then there was a lull for more than an hour during which the team apparently decided to approach the house and use the vantage of the upper floor to fire at the terrorists in the cowshed. They entered the house and there was a fresh firefight but no communication from the Colonel and his team. Then it was noticed that their communication instrument was being used by the terrorists. That is when realisation came all was not well, and firing ensued all over again. This time when it was over, there were seven bodies. The way this operation ended will have ramifications, on both morale and operating procedures, on future operations of this kind that go on all the time in this shadowy theatre of proxy war. It is certainly a coincidence that has not gone unnoticed that though the encounter ended tragically, news or details of it did not percolate, till well after Sunday's fly past and show of solidarity.

It should be evident by now to most that changing the nomenclature and status of J&K has not addressed any of the underlying causes of unrest and angst. Neither has it deterred Pakistan from its steadfast goals. Since the beginning of the year, in 127 days, as many as 55 terrorists have been killed in the region, roughly one encounter every two days. In the unhealthy vacuum that New Delhi has created since August 5 last year, such encounters have done nothing other than aid the impulse of the disaffected to embrace arms. As the dangerous drift in J&K continues, New Delhi must realise it has reached the point of diminishing returns and should look for ways to arrest this trend.

**-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava**

## रोडवेज बसों से 700 श्रमिक गृह जनपदों के लिए हुए रवाना

गाजियाबाद : मोरटा स्थित राधा स्वामी सत्संग ब्यास आश्रम से करीब 700 से अधिक मजदूरों को परिवहन निगम की बसों से उनके गृह जनपद के लिए भेजा गया। रोडवेज एआरएम के निर्देशन में प्रति बस 24 से 26 मजदूरों को बैठाकर कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की हिदायत देते हुए रवाना किया गया। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जारी लॉकडाउन के चलते बहुत से लोग कामकाज बंद हो जाने के बावजूद पिछले करीब डेढ़ माह से गाजियाबाद में फंसे हुए थे। वहीं, कुछ मजदूर पैदल, साइकिल व बाइक आदि से सैंकड़ों किमी का रास्ता तय कर अपने घरों के लिए रवाना हुए। इस बीच प्रदेश के विभिन्न जनपदों में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को लॉकडाउन–3 में राहत दी गई। जिला प्रशासन के निर्देश पर गाजियाबाद पुराना बस अड्डा के एआरएम नरेंद्र कुमार के निर्देशन में मोरटा स्थित राधा स्वामी सत्संग ब्यास आश्रम से रोडवेज बसों से रवाना किया गया। बुधवार तक करीब 700 मजदूरों की सूची सौंपी गई, जिसके आधार पर सभी को बसों से रवाना किया गया। एआरएम नरेंद्र कुमार ने बताया कि एक बस में 24 से 26 लोगों को कोविड–19 के दिशा–निर्देश के पालन की हिदायत दी। बसों को सेनेटाइज भी किया रहा है। उन्होंने बताया कि बसों की कमी नहीं होगी। इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। बृहस्पतिवार को भी श्रमिकों को भेजा जाएगा।

## मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाश पकड़े

गाजियाबाद : नासिरपुर रेलवे फाटक के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल लूट लिया। पीडित के शोर मचाने पर वहां मौजूद लोगों ने दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। मौके पर पहुंची कविनगर पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि नासिरपुर निवासी ड्क्षरकू की शिकायत पर बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। चार मई शाम छह बजे ड्क्षरकू मोबाइल पर बात करते हुए जा रहा था। पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाश उसका मोबाइल झपट कर भागने लगे। पकड़े गए बदमाशों की पहचान आमीर निवासी और सुहेल निवासी रईसपुर के रूप में हुई है।

## चाय नहीं बनाने पर पति को भाइयों से पिटवाया

गाजियाबाद : न्यू फ्रेंड्स कालोनी में एक महिला ने पति के चाय बनाने से इंकार करने पर अपने भाईयों को बुलाकर उसकी पिटाई करा दी। पति ने पत्नी व सालों के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि दोनों की 14 साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद घर में सबकुछ सामान्य था। लॉकडाउन की वजह से सभी लोग घर में ही हैं। पत्नी ने पति से चाय बनाने के लिए कहा। इसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। पत्नी ने अपने मायके फोन कर दिया। पीडिघ्त ने बताया कि उसके मायके वाले रईशपुर में रहते हैं। उन्होंने पति की रस्सी से बांधकर पिटाई कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची कविनगर पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है।

## बुढ़ापे को मात देकर आरपी निर्मल ने 10 साल में 84 मेडल जीते

साहिबाबाद : इरादे अगर फौलादी हों तो हर मुश्किलें पिघल जाती हैं। 69 साल के आरपी निर्मल ने बुढ़ापे की दहलीज को मात देकर 84 मेडल अपने नाम किया। पिछले 10 साल से वह देश के विभिन्न राज्यों की मैराथन में दौड़कर मेडल जीत चुके हैं। वह दूसरों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं। लॉकडाउन में वह खुद को स्वस्थ रखने के लिए योगा, प्राणायाम और सुबह शाम सैर करते हैं। इंदिरापुरम के वैभव खंड स्थित गौड़ ग्रीन सिटी में आरपी निर्मल (69) में अपनी पत्नी किरन निर्मल के साथ रहते हैं। उनके बेटे निशांत निर्मल यूके के आयरलैंड और बेटी निवेदिता निर्मल अमेरिका में रहती हैं। आरपी निर्मल दवा कंपनी में ब्रांच मैनेजर हैं। आरपी निर्मल का कहना है कि उनके एक दोस्त वर्ष 2009 में एक मैराथन में ले गए थे। तब

उनकी उम्र 59 वर्ष थी। उस दौड़ में वह कोई मेडल नहीं जीत सके। इसके बाद उन्होंने तैयारी करनी शुरू कर दी। वर्ष 2010 में उसी मैराथन में आरपी निर्मल ने 21 किमी की दौड़ पूरी कर मेडल जीता। इसके बाद वह रुके नहीं।

## नर्स से चेन लूटने के आरोप में दो गिरफ्तार

गाजियाबाद : थाना सिहानी गेट पुलिस ने एमएमजी अस्पताल की स्टाफ नर्स से चेन लूटने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनसे लूटी गई चेन के अलावा चाकू भी मिला है। एसएचओ गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित दीनदयालपुरी निवासी आकाश और दीपक उर्फ छतारी हैं। आरोप है कि 29 अप्रैल की सुबह दोनों ने पीछा करने के बाद स्कूटी सवार दिल्ली निवासी नर्स सरिता की चेन लूट ली थी। घटना के समय वह साथी चेतना के साथ दिल्ली से अस्पताल ड्यूटी के लिए आ रही थीं। एसएचओ ने बताया कि आरोपितों का पहले का आपराधिक इतिहास अभी तक नहीं पता चला है। इन्हें जेल भेजकर अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

## पोस्टर प्रतियोगिता में सौम्या अव्वल

गाजियाबाद : अमृता देवी पर्यावरण नागरिक संस्थान जयपुर द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में गाजियाबाद की इंटरमीडिएट की छात्रा सौम्या ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनके पोस्टर को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। जिसका परिणाम दस मई को घोषित किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली एक संस्था की ओर से एक राष्ट्रीय स्तर के ई–कॉम्पिटिशन का आयोजन कराया गया था। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर यह प्रतियोगिता शुरू की थी। पूरे देश से करीब 1200 छात्र–छात्राओं एवं सामान्य आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता चार आयु वर्गों में आयोजित कराई गई थी। 12वीं कक्षा में पढने वाली कॉमर्स की छात्रा सौम्या जोशी ने पोस्टर प्रतियोगिता के 15 से 18 आयु वर्ग में हिस्सा लिया था। इसमें छात्र एवं छात्राओं दोनों ने हीं प्रतिभाग किया था, जिसमें सौम्या जोशी को प्रथम पुरस्कार मिला है। प्रादेशिक स्तर पर प्रतिभा का चुनाव हो जाने के बाद राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में सौम्या के पोस्टर को शामिल किया गया।

## हैकर ने फेसबुक हैक कर दोस्त को ठगा

गाजियाबाद : पुलिस ने बताया कि विपिन चौधरी ने फेसबुक पर उसने अपना एकाउंट बनाया है। ठग ने फेसबुक हैक कर मैसेंजर के जरिए उनकी फ्रेंडलिस्ट में शामिल लोगों से पैसे की मांग की। आरोपित ने मैसेंजर में लिखा कि वह लॉकडाउन में मुश्किल में है। उसे तत्काल 30 हजार रुपयों की जरूरत है। एक दोस्त ठग के खाते में 30 हजार रुपये भेजने के बाद विपिन के पास फोन किया तो उसे ठगी का पता चला।

# तनाव से बचने के लिए अपने में लाए बदलाव : डॉ. प्रियंका कपूर

–सामाजिक दूरी के बीच सामाजिक कुशलक्षेम पर वेबिनार का हुआ आयोजन

–बीएलके अस्पताल, मान्यवर कांशीराम डिग्री कॉलेज, आरएचएएम व रोटरी क्लब ने वेबिनार में खुलकर रखे अपने विचार

गाजियाबाद : भागती–दौड़ती जिंदगी में अचानक लगे इस ब्रेक और कोरोना वायरस के डर ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। ज्यादातर लोग तनाव में आ गए है। चिंता, डर, अकेलेपन और अनिश्चितता का माहौल बन गया है और लोग दिन–रात इससे जूझ रहे हैं। लोग एक दूसरे से दूरी बनाकर चलने लगे है। समस्या का समाधान करने के बजाय उसमें उलझकर रह गए है। सभी के सामने परेशानियों का अंबार लग गया है। परिवार, आफिस, बिजिनेस, अकेलापन जैसी कई ऐसी समस्याएं है जिनको लेकर सभी तनाव में है। इन सभी का समाधान शुक्रवार को वेबिनार में बीएलके अस्पताल नई दिल्ली की मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ डॉ.प्रियंका कपूर ने किया। उन्होंने सभी लोगों के सवालों के जवाब बखूबी दिए।

आरएचएएम (रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान), बीएलके हॉस्पिटल नई दिल्ली, मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद, गाजियाबाद भार्गव सभा, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, दिल्ली इस्टर्न, गाजियाबाद हैरिटेज, गाजियाबाद मेट्रो, गाजियाबाद ग्रीन ने वेबिनार का आयोजन किया। जिसमें बीएलके हॉस्पिटल की मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ डॉ.प्रियंका कपूर ने सामाजिक दूरी के बीच सामाजिक कुशलक्षेम व तनाव को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। आरएचएएम के चेयरमैन डा.धीरज भार्गव व मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद की प्रो.डॉ.अर्चना वर्मा ने कोर्डिनेटर की भूमिका निभाई।

मनोवैज्ञानिक डॉ.प्रियंका कपूर ने तनाव पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि तनाव कई

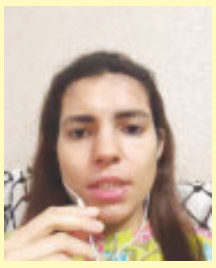

कारणों से हो सकता है जैसे बदलती जीवनशैली, नींद की कमी, आर्थिक परेशानी, जॉब का खोना, ब्रेकडाउन, खराब रिश्ते, अस्वस्थ आहार का सेवन, प्रियजन को खोना आदि। हमें तनाव पर काबू पाना है। हमें तनाव को अपने उपर हावी नहीं होने देना है उसे मैनेज करना है। उसका समाधान निकालना है। अब बहुत से लोग कोरोना वायरस और लॉकडाउन के कारण तनाव में है। हमें पता है कि ये समस्याएं कई महीनों तक चलेगी तो हमें इनका समाधान निकलना होगा न कि तनाव लेना। कोरोना वायरस से बचने के लिए हमें लोगों से शारीरिक दूरी बनाकर चलना है, हाथ नहीं मिलाना है, समय–समय पर हाथ धोने है, मुंह पर मास्क का प्रयोग करना है, कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के संपर्क में नहीं आना है आदि ऐसे काम हमें करने है। हमें समस्या से बचने के बजाय उससे लड़ना है और वो भी बगैर तनाव के। लॉकडाउन के दौरान घर के बीमार बुजुर्गों, बच्चों, खाने व सोने का समय आदि सभी पर ध्यान देना है। यदि बच्चों में चिड़चिड़ापन, तनाव बढ़ गया है तो उन्हें क्राफ्ट, लर्निंग आदि काम कराए। उनके साथ खेले, विचारों का आदान–प्रदान करें। यदि लॉकडाउन में बुजुर्ग भी तनाव में है तो उन्हें भी पढ़ाई, प्रियजनों से वीडियो कॉलिंग, पुरानी फिल्में आदि में बिजी रखे। जिससे तनाव से मुक्ति पा सकते है। इसके अलावा योगा, एक्सरसाइज और प्राणायाम पर ध्यान देने से भी काफी फायदा होगा।

इस दौरान डा.सरोज खन्ना ने

बताया कि वे घर पर अकेली रहती है उनके दोनों बच्चे बाहर रहते है जिस कारण वे तनाव में रहती है। इस पर डॉ.प्रियंका कपूर ने कहा कि अब ये प्राकृतिक है, तनाव को किसी से शेयर करें, अपने आपको बिजी रखे, ऐसा काम करें जिससे खुशी मिले, बच्चों से मोबाइल पर बात करें, पूजा करें।

मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद की

प्रिंसिपल डा.अर्चना वर्मा ने वेबिनार जैसे कार्यक्रम कराने के लिए रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन डा.धीरज भार्गव व अन्य सभी का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कोविड–19 को लेकर सभी समस्याएं है। सामाजिक दूरी, नई पहल, नया नियम का पालन करते हुए हमें कार्य करना है। जैसे हम सभी होली, वैशाखी, रमजान में शारीरिक दूरी का ध्यान रख रहे है ऐसे ही समाधान हमें ढूंढने है। वेबिनार में डा. धीरज कुमार भार्गव, डा.स्वेता, नीटू, डा.योगिंद्र, निधि, अजय कुमार, डा.नीरव कुमार, डा.राकेश कुमार, पुनीत कुमार मित्तल आदि ने भी डा.प्रियंका से सवाल पूछे। इस दौरान डा.अर्चना वर्मा, डा.धीरज कुमार भार्गव, निशा, त्रिवेद कुमार, सोनू, डा.जीत सिंह, वसीम मंसूर, सुभाष गुप्ता, विनय कुमार, अवलोक, स्नेहा सिंह, रूबिना, डा.अंजना जादौन, डा. संजय खन्ना, अमित, पूनम रानी, अर्मिता दत्त, संदीप आहुजा, राजेश मिश्रा, आस्था अग्रवाल, प्रिया सिंह, मनीष भार्गव, पालकी, डा.टवींकल, संजय रोहिला, डा. राकेश कुमार, चंद्रशेखर, शिवम शर्मा, डा.स्वेता शर्मा, उत्तम शर्मा, शहजाद मिर्जा, निधि शुभआनंद, डा.मीनू वार्ष्णेय, पुनीत के मित्तल, डा.बॉबी यादव, डा.ज्योति यादव, निशा रानी, भानु गुप्ता, किरण, प्रदीप, सतपाल जैन, अमित कुमार, आनंद, शिखा मौर्या, अंशुल जैन, प्रियंका कपूर, अनिल भार्गव, डा.योगेंद्र सिंह, डा. लक्ष्मण, डा. राजीव कुमार, गौरव यादव, डा. नीरज कुमार, सुरेंद्र शर्मा, डा. प्रियंका साहनी, सुंदर चौधरी, अजय कुमार, अशोक अग्रवाल आदि शामिल रहे।

## पास बनवाने पहुंचे 300 मजदूरों पर केस दर्ज

गाजियाबाद : कलक्ट्रेट में लॉकडाउन का उल्लंघन कर पास बनवाने पहुंचे 300 मजदूरों के खिलाफ कविनगर पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपितों ने शारीरिक दूरी नहीं बना रखी थी। पास नहीं बनाने पर मजदूरों हंगामा और नारेबाजी की थी। गाजियाबाद की विभिन्न फैक्ट्रियों में बड़ी संख्या में मजदूर काम करते हैं। तीसरी बार लॉकडाउन की अवधि बढने पर मजदूर अपने घरों की तरफ रवाना होने शुरू हो गए। चार मई की दोपहर भारी संख्या में मजदूर कलक्ट्रेट पहुंच गए। इन मजदूरों को किसी ने बताया कि कलक्ट्रेट में पास बन रहे हैं। ज्यादातर मजदूर मध्यप्रदेश और बिहार के थे। कुछ मजदूर पश्चिम बंगाल और झारखंड के भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि भारी संख्या में मजदूरों के कलक्ट्रेट पहुंचने की वजह से न केवल व्यवस्था प्रभावित हुई, बल्कि लॉकडाउन का उल्लंघन भी हुआ। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कविनगर एसएचओ ने सभी मजदूरों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने मजदूरों से शारीरिक दूरी बनवाकर खुद पीछे–पीछे चलते हुए गोविंदपुरम तक पहुंचाया। इस दौरान पुलिस इन मजदूरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।

## वीडियो संदेश के जरिए लोगों को जागरुक कर रहीं डाक्टर उपासना

साहिबाबाद : कोरोना से बचाव के लिए डाक्टर उपासना अरोड़ा लोगों को वीडियो संदेश के माध्यम से जागरुक कर रही हैं। उन्होंने लोगों को स्वच्छता का महत्व बताया और ऐसा न करने से होने वाली बीमारियों से भी अवगत कराया है। कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल की डायरेक्टर डाक्टर उपासना अरोड़ा ने बताया कि हर साल पांच मई को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि खाने से पहले साबुन से हाथ जरूर धोएं।

## स्टार रामेश्वरम में सभी को आरोग्य सेतू कराया जा रहा है डाउनलोड

गाजियाबाद : राजनगर एक्सटेंशन की स्टार रामेश्वरम सोसायटी ने लॉकडाउन का पालन कर कोरोना का मात देने में कोई कोर–कसर बाकी नहीं छोड़ी है। यहां सोसायटी में करीब 552 फ्लैट में परिवार रहते हैं। सभी कोविड–19 को लेकर सरकार के दिशा–निर्देशों का पालन करने में खरे उतरे हैं। यहां एओए सोसायटी प्रबंधन की ओर से गेट पर ही आने–जाने वाले लोगों को सैनिटाइज किया जा रहा है। यहां चार टावर हैं और सभी की लिफ्ट को दो से तीन घंटे में सैनिटाइज कराया जाता है। इसके अलावा रेलिंग, पार्क किड्स एरिया व कॉमन एरिया दिन में एक बार सैनिटाइज कराया जाता है। बाहरी लोगों की एंट्री अभी तक पूरी तरह बंद रखी गई, लेकिन सरकार की ओर से छूट के तहत आने वालों की सैनिटाइजेशन के बाद प्रवेश दिया जा रहा है। सोसायटी के शत–प्रतिशत फ्लैट ऑनर को गार्ड आरोग्य सेतू एप डाउनलोड कराने में जुटे हैं।

# With 93 outlets in red zone, Noida sees 50% dip in liquor sales on Day 1

**Noida/Ghaziabad:** Though the state of Uttar Pradesh recorded alcohol sales of over Rs 100 crore in just nine hours on Monday, liquor vends in Gautam Budh Nagar failed to cheer up the district excise department on the first day of lockdown 3.0 when booze outlets were allowed to open. Opened after a gap of 43 days on Monday, revenues generated through liquor sales in the district was in fact down by almost 50%. Officials, however, attributed the low sales to the closure of several shops falling in the containment zones of the twin cities. While bars, restaurants and pubs would remain shut during the third phase of the lockdown, the district excise department was hoping to cover its losses through 481 licensed shops allowed to sell India-made foreign liquor, beer or countrymade liquor. However, some 93 among them are located within the hotspots localities. Gautam Budh Nagar excise officer RB Singh said that majority of the shops that cannot operate are located in the 'prime pockets' that generated substantial revenues for the department. "On an average, liquor sales result in revenues of about Rs 4 crore in a day. But on Monday, the department was able to gross revenues of Rs 2.15 crore only, despite hundreds of customers queuing up," he said.Factors such as maintaining social distancing, restricted timing (10am to 7pm), restrictions on selling numerous bottles and unavailability of brands, are hitting the prospects of the department at the moment. Out of its target of Rs 1,037 crore for 2019-20 fiscal, the department was able to churn out Rs 886 crore and stared at a shortfall of Rs 151 crore. Meanwhile, senior officials of the excise department assured that supply was being restored and majority of the brands would be on the shelves in the next two to three days. Statistical officer of UP excise department, Joginder Singh, said that the crowd around the liquor shops would exist for a short period. In neighbouring Ghaziabad, liquor shops opened outside containment zones to mad rush on Tuesday after a day's delay. People had started queuing up in front of liquor shops as early as 7pm even before the shops could open for sale. But unlike Noida, the Ghaziabad administration and the police department were well prepared and had marked circles in front of all 406 liquor shops in non-containment zones to ensure social distancing norms were followed.

## Nithari woman's daughter is first baby in Noida to be born with Covid-19

**NOIDA:** The city on Tuesday reported its first case of a baby being born with Covid. The baby girl, born two days ago, and an Afghan national were among 13 persons who tested positive in Noida on Tuesday. Officials said the girl's mother, a resident of Nithari, had tested positive a few days ago and delivered the baby in the isolation ward on Sunday. The father, too, was found to have Covid. Last month, a baby born to a Covid patient in the city had tested negative. Among the other persons who tested positive on Tuesday were two nurses at GIMS and Sharda Hospital. The Afghan national found to have Covid studies in a private college in Greater Noida and stayed at a rented accommodation in Alpha 1. He is currently admitted to Sharda Hospital. "We have informed the foreign ministry and other authorities concerned. There were some language constraints. We have organised translators to talk to him about his possible contacts," said Suhas LY, the district magistrate. Parts of Alpha 1 will be a containment zone again after it was taken off the list of hotspots recently. The last case from the sector was reported on March 21, after which it was sealed for 28 days.

## Constable tests coronavirus positive, 15 others sent for quarantine

**NOIDA**: At least 15 police officers from Sector 20 police station have been sent to quarantine after a head constable — associated with Dial 112 — tested Covid-19 positive in Gautam Budh Nagar on Sunday, said officials on Tuesday. The head constable from Ghaziabad was on home quarantine earlier. Ädditional DCP Ranvijay Singh said: "The officers in quarantine include staff engaged in duty in containment zones." Earlier, at least six police officers were asked to remain in quarantine after they showed symptoms. Three of them, including an sub-inspector, were deployed with the Sector 20 police station. Two constables and an sub-inspector with Sector 24 police station were asked to stay in quarantine and home isolation respectively. The sub-inspector with the Sector 20 police station has joined duty after testing negative for Covid-19. Earlier too, a Delhi police constable and his wife were among the suspected Covid-19 patients. The duo had come to Dadri CHC to get checked. Dadri CHC officials said the constable got tested at RML hospital, Delhi. Dr Sanjeev Saraswat from Dadri CHC said they are awaiting the constable's reports.

## Residents allege highhandedness against sec 20 police, say cops abused, beat up without fault

**NOIDA:** At least three residents have complained of highhandedness against Sector 20 police reaching out to higher authorities stating that some constables and sub inspectors allegedly manhandled and abused them over petty issues including trying to visit the nearby grocery or Mother Dairy outlet. All the complainants took to twitter to allege highhandedness on part of the Sector 20 police during the lockdown and tagged official twitter handles of the BJP MP for GBNagar, DM GB Nagar, commissioner of police, DCP (Noida) and Noida police . While the first incident happened with a private executive around three days back, another incident took place with a media executive on Monday. Abhijit Ghosh (48) told TBC that resides in E block of Sector 20 and was walking towards Nithari when he was stopped by cops near Sector 20/21/25/26 red light. "A sub inspector and some constables stopped me from going there. I told them that I was going to buy milk and groceries as the shop in Nithari area which was closer than the market inside Sector 20 and so, I wanted to simply purchase essentials," he said. Ghosh who works as a manager (finance) in a facility management company told TBC that he is suffering with a fracture in his right wrist and was abused and asked to return or he would be booked under section 188 of the IPC. "The sub inspector Vinod Singh abused me. It was the highhandedness of the police with me that hurt me as I was not at fault," he said adding that he returned without buying anything. Ashish Srivastava, who works as an assistant senior producer with a reputed news channel told TBC that he was walking towards the A block market in Sector 19 from C block of the Sector with his friend around 8:30 pm on Monday. He said that he was going to buy groceries when two beat constables who arrived on a bike stopped near them and warned them to walk by maintaining distance. "They were neither wearing masks nor helmets but asked me to maintain social distancing. When they commented like this, we started maintain distance. However, two minutes later, one of them hit me with a lathi and I was shocked. I talked to the Sector 20 SHO about the incident but to no avail," Srivastava told TBC. In yet another incident, a twitter user Krishna complained that he was travelling towards Kailash hospital, Sector 27 via the Nithari road, he saw a constable and one sub inspector barricading the road while crossing the barricades.

## हेल्प लाईन नंबर

**गाजियाबाद प्रशासन**

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

**पुलिस अधिकारी**

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

**जीडीए**

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

**अस्पताल**

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

**बीएसएनएल**

जीएम 2755777

**अग्निशमन विभाग**

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

**पुलिस स्टेशन**

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

**नगर निगम**

नगरायुक्त– 2790425,2713580

**विद्युत विभाग**

मुख्य अभियंता – 2821025

**पूछताछ**

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
**Phone No.: 0120-4561000**

# 13 arrested for defying lockdown: Noida Police

**NOIDA:** Thirteen people were arrested and challans issued to owners of 159 vehicles across Noida and Greater Noida on Sunday for allegedly defying curbs imposed due to the coronavirus-induced lockdown, police said. So far, 54 coronavirus hotspots (areas that have recorded multiple Covid-19 positive cases) have been completely sealed off in Gautam Buddh Nagar near Delhi, while restrictions under section 144 of the Criminal Procedure Code (CrPC) are also in place due to the pandemic. "Five FIRs were registered on Sunday for lockdown violations and 13 people arrested. A total of 612 vehicles were checked across 200 barrier points in the district and challans issued to 159 of them, while another two were impounded," police said in a statement. The FIRs were registered under Indian Penal Code section 188 (disobedience to order duly promulgated by public servant) and violation of prohibitory orders put in place under CrPC Section 144, which bars assembly of four or more people, they said.

# With 1 more case, JJ Colony is Noida's 2nd biggest cluster

**NOIDA**: Four people tested positive for Covid-19 in Noida on Saturday, one of whom is from JJ Colony in Sector 8. The colony, with 34 cases so far, is the source of Noida's second biggest cluster of cases and the administration is now drafting a special containment plan for the area. A 49-year-old who tested positive on Saturday is among 29 patients from JJ Colony in Sector 8. He works with a food retail company that supplies lunch for the district's integrated control room staff. There are four other cases at JJ Colony in Sector 5 and one at JJ Colony in Sector 10, all adjoining. To prevent a Cease Fire-like recurrence — the company became the district's biggest cluster with a contact chain that kept getting longer — the administration has started working on a special containment plan for JJ Colony in the three sectors. For now, three steps are immediately being taken. The first is strict enforcement of sealing restrictions with constant monitoring. The second is deep sanitisation of every single house — usually, it's just the common areas that are sanitised. The final step is stationing a doctor for three to four hours at least thrice a week for anyone who wants a checkup. "We have conducted three rounds of surveillance in the area, while it is usually done just once. Monitoring is essential here because the population density is much higher, which disrupts social distancing norms. During contact tracing, we quarantine all primary and secondary contacts of the patients immediately," said Narendra Bhooshan, nodal officer for the district's Covid-19 response. For every person in the colony who has tested positive, about 10 to 15 people have been sent into quarantine.

## All shops inside residential societies allowed to open in Noida

**GAUTAM BUDDH NAGAR :** As the state governments gear up for easing of lockdown restrictions from Monday, Gautam Buddh Nagar district magistrate cleared the air over relaxations in a tweet on Sunday night. "All shops inside gated residential group housing complex are allowed. All shops selling essential goods in market and market complexes are allowed. Private offices can operate with upto 33%strength, rest can work from home. Government offices can open only as per guidelines," the DM tweeted.

# You can get your water purifier fixed but not AC or TV repaired

**NOIDA**: The process of easing lockdown is turning out to be a long drawn out one, with the riders changing every day. Noida on Monday allowed the entry of one set of service personnel into societies and retained the ban on others. The decision, however, will be reviewed in two days. Drivers, electricians, plumbers and those engaged in servicing water purifiers, refrigerators and washing machines can be called by residents, an order issued by the Noida administration late on Monday night said. Those servicing air-conditions and televisions cannot. Domestic staff, who have been allowed entry in NCR counterparts Delhi and Gurgaon, did not find space on the list of exemptions in Noida and Ghaziabad. The orders from the Union home ministry and the state government on lockdown and its relaxation allow the entry of domestic staff into societies and homes, even in red zones. Why the distinction between service personnel, though? Nodal officer for the district's response to Covid-19, Narendra Bhooshan, attributed it to two things. "Requests from residents and our analysis of risk factors. We will review the decision on allowing domestic staff and those engaged in repair of ACs and TVs in a day or two," he said. An official added that the reason that servicing personnel for ACs were not included because "too much demand would mean too much movement" and those for TVs were not allowed because it is "non-essential". As for domestic staff, a source said allowing their movement was seen as "risky" in light of the spike in cases from slum areas like JJ Colony in sectors 5, 8, 9 and 10. An estimated two lakh domestic staff would resume work if the notifications allowed. In Ghaziabad, the entry of all domestic, servicing and maintenance staff remains outside the exemption list.

## Bike-borne liquor smugglers drag cop while fleeing

**GNOIDA**: Two bike-borne liquor smugglers, who were stopped for checking, allegedly dragged a policeman for several meters near Rampur village in Jewar on Friday. While the cop sustained injuries, the duo managed to flee the spot leaving a liquor consignment behind, police said. Rajesh Kumar Singh, DCP (central Noida) said the accused were asked to stop at a checkpost, by sub-inspector Sonu and constable Ravi, after they spotted a box on the lap of the pillion rider. "As the bike slowed down, Ravi managed to get hold of the box. But as the biker soon accelerated, Ravi was dragged on for quite a distance.

# रियल इस्टेट : 22 प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए जीडीए में प्राप्त हुए आवेदन

गाजियाबाद : लॉकडाउन में छूट मिलने पर रियल एस्टेट सेक्टर में उत्साह नजर आने लगा है। बुधवार को जीडीए में 22 प्रोजेक्ट में निर्माण शुरू करने के लिए आवेदन प्राप्त हुए। उनमें से परीक्षण के बाद रैपिड रेल, एनएचएआइ, यूपीएसआइडीसी, उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद और जीडीए विकास क्षेत्र के 15 प्रोजेक्टों में निर्माण करने की मंजूरी प्रदान कर दी गई है। छह आवेदन विचाराधीन हैं। स्वीकृत नक्शा न होने पर उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद क्षेत्र का एक आवेदन निरस्त कर दिया गया है। कोरोना संक्रमण के चलते लागू हुए लॉकडाउन के तहत जीडीए के विकास क्षेत्र में छोटे–बड़े 91 प्रोजेक्ट में निर्माण कार्य रोका गया था। यूपीएसआइडीसी, एनएचएआइ और उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद के प्रोजेक्ट भी थम गए थे। इनमें सात हजार से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। 41 दिन काम रुके रहने के बाद लॉकडाउन–तीन के प्रारंभ में निर्माण कार्य करने के लिए सशर्त छूट दी गई है। उसके तहत जीडीए को निर्माण की अनुमति देने का अधिकार दिया गया है। जीडीए के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को 22 आवेदन प्राप्त हुए। उनमें तकनीकी रूप से सही पाए जाने पर 15 प्रोजेक्ट में निर्माण कार्य शुरू करने की इजाजत प्रदान कर दी गई है।

## अंग्रेजी शराब खत्म, ठेकों की पुलिस कर रही निगरानी

साहिबाबाद : स्टॉक खत्म होने के कारण बृहस्पतिवार को ट्रांस हिंडन के अधिकतर अंग्रेजी शराब के ठेके बंद रहे। एक–दो ठेके खुले लेकिन दोपहर होते–होते उनका स्टॉक भी खत्म हो गया। दिनभर अंग्रेजी शराब के लिए लोग ठेकों के आसपास मंडराते रहे। भीड़ एकत्रित होने की संभावना से बंद ठेकों पर भी पुलिस का पहरा रहा। वहीं, बीयर व देसी शराब की सुबह से शाम तक बिक्री हुई। बीयर की दुकानों पर शारीरिक दूरी के नियमों की धज्जियां भी उड़ीं। लोग अधिक मात्रा में बीयर ले जाते भी देखे गए। ट्रांस हिंडन में मंगलवार से शराब की बिक्री की अनुमति मिली है। मंगलवार व बुधवार को ही ज्यादातर अंग्रेजी शराब के ठेकों का स्टॉक खाली हो गया। उनके शटर गिर गए।

# मार्केट से अलग एकल दुकानों को खोले जाने की है अनुमति

गाजियाबाद : कोरोना वायरस को लेकर लागू किए गए लॉकडाउन तीन में मार्केट से अलग एकल दुकानों को खोलने की अनुमति प्रशासन द्वारा दी जा रही है। लॉकडाउन तीन के दूसरे दिन तक ग्रामीण क्षेत्र में 1470 व शहरी क्षेत्र में 930 जरूरी व गैरजरूरी सामान की दुकानों को अनुमति दी गई है। दुकानों को अनुमति मिलने के बाद लोगों को खासी राहत मिली है। वहीं दुकानदारों से दुकान के बाहर व भीतर शारीरिक दूरी के नियम के पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए पुलिस व प्रशासन के अधिकारी लगातार जिले में गश्त कर रहे हैं। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि शहरी क्षेत्र में एकल दुकानों को खुलने की अनुमति दी गई है लेकिन दुकान खोलने वाले व्यक्ति को इस संबंध में पुलिस व प्रशासन को जानकारी उपलब्ध करानी होगी। आवेदन पत्र में केवल अपना काम प्रारंभ करने की सूचना देनी होगी। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत क्षेत्र में हॉट स्पॉट क्षेत्रों में के अंदर व बाहर आवश्यक वस्तुओं की दुकान खोलने की अनुमति होगी। जिले में सभी प्रकार के मॉल व मल्टीप्लेक्स बंद रहेंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग व पीडब्ल्युडी के मार्ग पर भी दुकान खोलने की अनुमति नहीं होगी। इस संबंध में किसी प्रकार की परेशानी हो तो उप श्रमायुक्त से बात की जा सकती है।

# सात महिलाओं समेत 12 कोरोना संक्रमित, चार मरीज डिस्चार्ज

गाजियाबाद : बुधवार को सात महिलाओं समेत 12 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके साथ ही आंकड़ा 116 पर पहुंच गया है। खोड़ा के चार लोग संक्रमित पाए गए है। दूसरी रिपोर्ट नेगेटिव आने पर चार मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। सीएमओ के मुताबिक गुलमोहर ग्रीन सोसायटी में रह रही कोलंबिया की युवती की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। संपर्क में आए तीन लोगों को क्वारंटाइन किया गया है। रेल विहार इंदिरापुरम की एक महिला की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। डासना के रफीकाबाद मौहल्ले की एक महिला कोरोना संक्रमित पाई गई है। वैशाली सेक्टर–1 की 55 वर्षीय महिला भी संक्रमित पाई गई है। गिरधर इंकलेव साहिबाबाद की एक युवती की जांच भी पॉजिटिव आई है। एक सप्ताह पहले हॉट स्पॉट से बाहर की गई ऑक्सी होम सोसायटी की रहने वाले नर्स की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जटवाड़ा के रहने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उन्हे मेडिकल कॉलेज मेरठ में भर्ती कराया गया है। इनका हर्निया का ऑपरेशन होना है। खोड़ा के लेबर चौक, हयातनगर और गंगा विहार में रहने वाले तीन युवक और गली नंबर–12 की रहने वाली एक महिला कोरोना संक्रमित पाई गईं हैं। इसके अलावा झंड़ापुर, ब्रिजविहार के एक 38 वर्षीय व्यक्ति की जांच रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

## डीएम व एसएसपी ने सीमाओं का लिया जायजा

साहिबाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए दिल्ली की सीमाएं पूरी तरह से सील होने का दावा किया जा रहा है लेकिन बृहस्पतिवार दोपहर में भोपुरा सीमा से वाहनों की बेरोकटोक आवाजाही रही। वहीं, जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने नोएडा व दिल्ली की सीमाओं और हॉट स्पॉटों का निरीक्षण कर मातहतों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया। गाजियाबाद में छह ऐसे कोरोना से संक्रमित व्यक्ति मिले हैं, जो किसी न किसी काम से दिल्ली गए थे। इसके मद्देनजर दिल्ली की सीमाएं पूरी तरह से सील कर दी गई हैं। केंद्र व दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को सुबह नौ बजे से पहले दिल्ली जाने की अनुमति है।

# घर में विदेशी युवती होने की सूचना छिपाने पर घिरे डाक्टर, प्रशासन की पोल खुली

साहिबाबाद : कोलंबिया की एक युवती को घर में रहने के लिए डाक्टर ने जगह दी, लेकिन सोसायटी के लोगों को भी इसकी भनक नहीं लग सकी। युवती के कोरोना संक्रमित मिलने के बाद सोसायटी में हड़कंप मच गया। बुधवार को सोसायटी के लोगों ने घेरा, सोसायटी के वाट्सएप ग्रुप पर उनसे सवाल कर जवाब मांगे गए। उन पर लापरवाही के साथ ही प्रशासन को गुमराह करने का आरोप लगाया। लोगों ने लिखा की विदेश से आए लोगों के बारे में प्रशासन ने जानकारी देने के लिए निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद डाक्टर ने युवती को घर में रखने की जानकारी क्यों छिपाई? गुलमोहर ग्रीन सोसायटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एससी सिंघल ने बताया कि डॉक्टर बाल रोग विशेषज्ञ हैं। उनके परिवार में उनकी पत्नी, बेटा है। कोलंबिया की युवती डाक्टर के बेटे की दोस्त है। पूछताछ करने पर डाक्टर ने आरडब्ल्यूए अध्यक्ष को बताया है कि युवती कोलंबिया से पढ़ाई के लिए आई थी, लॉकडाउन होने के कारण वह वापस नहीं लौट सकी। मानवता के कारण युवती को घर में रहने की इजाजत दी थी। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने बताया कि युवती को स्वास्थ्य विभाग की टीम क्वारंटाइन करने के लिए अपने साथ ले गई है। डाक्टर, उनकी पत्नी और बेटे का भी कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट आने उनके स्वास्थ्य के बारे मे जानकारी हो सकेगी।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.